बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ - **226 025**

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

(A Central University)

Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

On the occasion of International Women's Day

One day

Skill Development Training Program

Covid Era and Self Reliant India: Role of Women

Training Program on the Topic of

By products of Fruits and Vegetable

Use of ICT in Agriculture

Preparing of Organic Fertilizer

Report

On the Occasion of International Women's Day Babasaheb Bhimrao Ambedkar University's Committee of Basic Facilities for Women, Unnat Bharat Abhiyan Cell, Gender Champions Committee and NCC unit organised One day Skill Development Training Program was on 8th March 2021, International Women's Day.

The training program was organized in Sarojini Nagar block, Lucknow, for the Women farmers of 5 villages Ramchaura, Chakoli, Dadupur, Meeranpur Pinwat and Auraanva, adopted by the university, on the subject "Corona Period and Self-Reliant India: The Role of Women". Large number of Women farmers from these villages joined the program and get information related to opportunities in Agriculture and Agri. product, to become self-reliant.

Prof. Naveen Kumar Arora, Nodal Officer, Unnat Bharat Abhiyan, informed women about organic farming and its benefits and also told that if women farmers want further training and other support in this direction, they can contact us. This training program will continue even further, in which we will give training in organic farming and will also teach the techniques of making organic fertilizers. He also talked about providing organic fertilizers to women for farming. Prof. Naveen Arora's colleague Dr. Jitendra and Miss Menka gave detailed information about the organic fertilizers to the women and explained the technology and effects of using organic fertilizer on the land. In addition, he also informed about the benefits arising from the sale of finished products through organic farming and the government support available for it.

Dr. R. S. Verma informed the women farmers about the process of seed germination through coco peat and said that in this way more productivity can be obtained at lower cost. He motivated women to cultivate seasonal fruits, vegetables and flowers for business purpose and also assured to support them in the sale of the finished product. He also made women aware of the business possibilities in farming and other products made from it.

Prof. Shilpi Verma said that it is necessary to connect the women of rural areas with the mainstream of society. The purpose of our University and all of us is to bring those women who are working in different groups and trying to move forward and provide all possible support to them. She informed that this training program will continue further, in which not only Information Technology and farming related training will be given but also yoga and medical camps will be set up. Along with this, she also assured to provide market place for the products prepared by them by starting start up at the University to help women farmers.

Dr. Rajshri gave information about how to use Information Communication Technology in business. She informed them about the integrated Kisan Seva Manch, Kisan Helpline number and other government facilities that can be obtained through information technology. She said that in today's time Information Technology has become extremely important from every point of view, through this we can get all kinds of support from home, whether it is a problem related to agriculture or to get any support related to selling your agricultural produce.

Prof. U.V. Kiran told the women about the cause of anemia and the measures to overcome it. She said that this problem will not be solved only by the consumption of green vegetables, but with this we will have to consume vitamin C as well, Only then the iron present in the food will get absorbed.

Dr. Rachana Gangwar told the women why knowing Information Technology is necessary for all of us. At the same time, he also inspired women to become self-reliant. Stating the importance of economically self-reliant, she said that half of the population of this country is of women and if this half population will come forward and establish themselves in the field of business and employment, then only the country will develop and the condition of women will also improve.

A vote of thanks was given by Prof. Shilpi Verma at the end of the program. On this occasion, BDO Mr. Nishant Rai and ADO Mr. Virendra Kumar Verma of Sarojini Nagar block were also present in the program.

Total 30 women farmers were present in the training program and they gave their valuable suggestion.

Chairperson

Committee of Basic Facilities for Women

Some Glimpse of One day Skill Development Training Program
(One day skill development training program)














Social Media





Press Release

महिलाओं को दी गई आत्मनिर्भर बनने की जानकारी

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारत: महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर ब्लॉक लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिला किसान बड़ी संख्या में जुड़ी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में वे क्या प्रयास कर सकती हैं, इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सरोजनी नगर ब्लॉक के बीडीओ निशांत राय तथा एडीओ वीरेंद्र कुमार वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारतः महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर ब्लॉक, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिला किसान बड़ी संख्या में जुड़ी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में वे क्या प्रयास कर सकती हैं, इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ0 आर एस वर्मा ने कोकोपीट के माध्यम से बीज के अंकुरण की प्रक्रिया के बारे में महिलाओं को जानकारी दी और बताया कि इस तरह से कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।



बीबीएयू : नैक से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की कवायद तेज

बीबीएयू : महिला दिवस पर होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आठ मार्च को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम के संरक्षक विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह हैं।

बीबीएयू : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारतः महिलाओं की भूमिका विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांव औरांव, चकोली, मीरानपुर पिनवट, रामचौरा, दादूपुर की महिलाओं के लिए सरोजनी नगर ब्लॉक में आयोजित किया गया।

एक नजर

बीबीएयू में महिला दिवस पर होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आठ मार्च को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति, उन्नत भारत अभियान, जेंडर चैंपियन समिति और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम के संरक्षक विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह हैं। कोरोना काल एवं आत्मनिर्भर भारत: महिलाओं की भूमिका विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव सरोजनी नगर ब्लॉक, लखनऊ में आयोजित होगा। उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांव की महिला किसानों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। गांव की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में यह एक पहल है, जिसमें आने वाले समय में कई चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।